गोलालारीय समाज का मुखपत्र

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास इन्दौर

golalariya.darshan@gmail.com

गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –

www.golalariya.com

94074-53066

तपसाधक विशेषांक

मासिक गोलालारीय दर्शन

सफलता के 13 वर्ष

लेट पोस्टिंग

अपनों के साथ अपनी बातें

RNI No. MPHIN/2008/26873

No. MP/IDC/1252/2021-2023

सेवा में,

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 13 अंक : 12 पृष्ठ संख्या : 6 माह – 15 अक्टूबर 2022 सहयोग राशी 1100/– देकर सदस्य बनें ।

वार्षिक कलशाभिषेक एवं विमानोत्सव के साथ क्षमावाणी महापर्व मनाया।

विशाल जैन पवा, तालबेहट । बीर बुंदेलखंड के प्रसिद्ध श्री 1008 श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र पावागिरी जी में आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य महान तपस्वी **मुनि श्री 108 सरल सागर जी महाराज का 40 वां दीक्षा दिवस एवं क्षमावाणी महापर्व मनाया।** कार्यक्रम के शुभारम्भ में मंगलाचरण विनोद भैया वैरागी ने किया। मुनिश्री की भक्तिभाव के साथ पूजन अर्चना की गयी, श्रद्धालुओं ने पाद प्रक्षालन कर शास्त्र भेंट किये एवं मंगल आरती उतारी। इस मौके पर मुनि सरल सागर जी महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब सांसारिक मोह माया से वैराग्य उत्पन्न हो जाये तब ही दीक्षा सार्थक होती है और दिगम्बरत्व को धारण किया जा सकता है। उन्होंने कहा जिस परिवार में सबसे बुजुर्ग व्यक्तियों को आदर सम्मान और प्रेम मिलता है, सभी परिजन क्षमा भाव को धारण करते हैं उसका कोई ग्रह कुछ नहीं बिगाड़ सकते और जिनेन्द्र भगवान के समक्ष अष्ट द्रव्य चढ़ाने से सभी ग्रह दूर हो जाते हैं। तत्पश्चात वार्षिक कलशाभिषेक शांतिधारा की क्रियाएं सम्पन्न की गयी। संचालन ज्ञानचंद जैन पुरा एवं आभार व्यक्त जयकुमार जैन कन्धारी ने किया। तालबेहट के पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में उच्चार्णाचार्य विनम्र सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 विनंद सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 विनुत सागर जी महाराज के मंगलमय सानिध्य में क्षमावाणी महापर्व मनाया गया। सुबह से ही भारी संख्या में धर्मावलंबियों ने मंदिर पहुँच कर मूलनायक भगवान पारसनाथ स्वामी एवं बड़े बाबा आदिनाथ स्वामी का अभिषेक–शांतिधारा पूजन विधान कर पुण्यार्जन किया। मुख्य कार्यक्रम दोपहर की बेला में आयोजित किए गए वार्षिक विमानोत्सव कार्यक्रम में पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें भगवान आदिनाथ स्वामी जी को विमान में लेकर श्रद्धालु, मुनिद्वय के साथ धर्मध्वजा लेकर श्रेष्ठीजन, डीजे बैंड की धार्मिक धुनों पर नृत्य करते युवा, मंगलगीत गाती हुई महिलाएं, सत्य–

अहिंसा एवं जियो और जीने दो के नारे लगाते हुए धर्मावलंबियों ने नगर भ्रमण किया, श्री 1008 वासुपूज्य दिगम्बर जैन नया मंदिर से वापस बड़े मंदिर जी पहुँचे, भक्तों ने मंगल आरती उतारी एवं श्रीजी की शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। आचार्यप्रवर श्री विद्यासागरजी महाराज एवं गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण कर ज्ञानद्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। पर्युषण पर्व में आयोजित भव्य गुणानुवृद्धि श्रावक संस्कार शिविर के शिविरार्थियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। शेष पृष्ठ क्र. 2 पर....

गोलालारीय दर्शन अब सिर्फ सदस्यों को ही प्रेषित किया जावेगा

गत 12 वर्षों से **''गोलालारीय दर्शन''** का प्रकाशन नियमित रूप से कर समाज के 4260 परिवारों को प्रेषित किया जाता रहा हैं। कोरोना काल की अवधि में गोलालारीय दर्शन का प्रकाशन बाधित हुआ था उसके पश्चात प्रकाशन नियमित रूप से किया जा रहा हैं। अगस्त 2021 के पश्चात गोलालारीय दर्शन उन्हीं सदस्यों को प्रेषित किया जा रहा है जिन्होंने गोलालारीय दर्शन के लिए सदस्यता शुल्क जमा कराया हैं इसी नियम के आधार पर अगस्त 2021 से अभी तक हम पत्रिका सिर्फ उन्हीं सदस्यों को ही भेज रहे हैं जिन्होंने अभी तक कुछ भी सहयोग राशि जमा कराई हैं।

यहां आपको एक जानकारी और देना हम अपना कर्तव्य समझते है कि हम उन सदस्यों को भी आज तक पेपर भेज रहे हैं जिन्होंने आज से 10–12 वर्ष पूर्व 100 रुपये भी जमा कराए थे परंतु अब आगामी माह से उन सदस्यों को भी इस सेवा से वंचित कर रहे हैं । आप सबको अवगत ही होगा कि पेपर प्रकाशन का खर्च काफी बढ़ गया है । जिसके कारण हम 4260 कॉपी प्रकाशित करने में असमर्थ हैं क्योंकि गोलालारीय दर्शन के पास कुछ ही सदस्यों के सहयोग से निर्मित छोटा सा फंड हैं जो हम उन सदस्यों को पेपर की प्रति भेजने में खर्च नहीं कर सकते हैं जिन्होंने आज तक सदस्य बनने में रुचि नहीं दिखाई और आजीवन सदस्यता के लिए हमें पूर्ण विश्वास के साथ सहयोग राशि प्रदान की थी हम उनके विश्वास को खंडित नहीं सकते हैं । आर्थिक रुप से सहयोग देने वाले सदस्यों को गोलालारीय दर्शन की प्रति नियमित रुप से निर्धारित डाक व्यवस्था के माध्यम से भेजते रहेंगे यह हमारा प्रण हैं । जिसके आधार पर ही हम गोलालारीय दर्शन नियमित प्रकाशन कर रहे हैं । **आप गोलालारीय दर्शन के सदस्य बनकर हमें सहयोग प्रदान करें ताकि आपको भी पेपर नियमित रूप से प्राप्त हो सके । सदस्यता शुल्क व बैंक डिटेल इस पेपर के पृष्ठक्रमांक 2 पर उपलब्ध है । आपके द्वारा जमा सहयोग राशि व सदस्यता क्रमांक का विवरण पेपर पर लगे आपके नाम के स्टीकर पर अंकित है । आपके द्वारा जमाराशि का विवरण स्टीकर पर नहीं है तो संपर्क करे –9424013136**

फिर उमड़ा भक्ति का सैलाब

अनुपमा जैन, इन्दौर । इस वर्ष के पर्यूषण पर्व कई मायनों में विशेष रहा। पिछले दो वर्ष के अंतराल के पश्चात समूचे जैन समाज में भक्ति रस से सराबोर, अत्यंत उत्साह का वातावरण रहा। सुबह–शाम पूजन, अभिषेक और आरती आदि के समय श्रद्धालुओं की भीड़ से मंदिरजी के बड़े बड़े परिसरों में भी तिल भर की जगह नहीं मिलती थी। धूपदशमी के दिन भी लंबे समय के बाद जिन मंदिरों में जबरदस्त उल्लास देखा गया। देर रात तक लोगों ने मंदिरों में धूप चढ़ाई और एक से एक बढ़कर सुंदर झांकियों, रंगोलियों और मांडनों का आनंद लिया। मंदिरों में एक ओर पूजा, आराधना, सामायिक, प्रतिक्रमण और जप तप का पावन वातावरण था तो दूसरी ओर घंटा झालरों से संगीतमय पूजन, आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से उल्लासमय मधुर स्वर लहरियां गूंज रही थीं।

पर्यूषण पर्व के समापन होते ही दूसरे दिन गोलालारीय समाज के वरिष्ठ प्रमुख ट्रस्टी और पदाधिकारी तथा अन्य भक्तगण आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के दर्शन और आशीर्वाद पाने शिरपुर महाराष्ट्र की ओर चल पड़े, जहां आचार्य श्री का चतुर्मास चल रहा है। वहां जाकर सभी ने आचार्य श्री के दर्शन, पूजन और प्रवचन का धर्म लाभ लिया तथा आचार्य श्री को श्रीफल भेंट करके कुमेड़ी स्थित नवनिर्मित 1008 श्री आदिनाथ जिनालय के पंचकल्याणक हेतु सादर आमंत्रण कर इन्दौर पधारने का निवेदन किया। आचार्य श्री ने अत्यंत प्रसन्नता से मंदिर के पंचकल्याणक हेतु आशीर्वाद दिया और शीघ्र ही शुभ तिथि घोषित करने का आश्वासन दिया। यहां विदित रहे कि 2 वर्ष पूर्व अपने इन्दौर चातुर्मास के समय आचार्य भगवन ने कुमेड़ी स्थित जिनालय कि निर्माण कार्य का अवलोकन किया था और निर्माणाधीन जिनालय की योजना की भरपूर सराहना भी की थी।

18 सितम्बर को क्षमावाणी का कार्यक्रम बहुत उत्साह पूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम समाज के वरिष्ठ ट्रस्टी और

शेष पृष्ठ क्र. 2 पर....

परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

प्रधान संपादक

सिंघई राजेन्द्र जैन 'बागो', 9424013136

सह संपादक

श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884
श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165
श्री विशाल जैन, 9453167716

कोषाध्यक्ष

सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक

राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972
खुशालचंद जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक

बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक -

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर
श्री सुधेश जैन, इन्दौर

संरक्षक -

श्री अरविन्दकुमार जैन, इन्दौर दुग्ध संघ
श्री रमेशचंद नितेश भंडारी, गंजबासौदा

सहयोगी सदस्य -

श्री सुरेशचंद सुनीलकुमार जैन, गंजबासौदा
श्री संतोषकुमार जैन, ग्रीन पार्क, भोपाल

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य (10 वर्ष)	1100/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	350/-

चांदी की पालकी में विराजमान, भगवान आदिनाथ जी का भव्य चल समारोह संपन्न

मनोज भंडारी, गंजबासौदा। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी पर्यूषण पर्व के समापन पर श्रीजी का भव्य चल समारोह का आयोजन 16 सितंबर 2022 को किया गया। रिमझिम बारिश के साथ प्रातः 7 बजे भगवान महावीर विहार से चल समारोह प्रारंभ हुआ, जो सुभाष चौक, नेहरू चौक, जय स्तंभ चौक, सावरकर चौक, गांधी चौक होते हुए श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (गांधी चौक) पर पहुंचा। चल समारोह में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ स्वामी के साथ-साथ रत्नत्रय धारी त्रय मुनिराजो का मंगल सानिध्य प्राप्त हुआ। भगवान के चल समारोह में नगर के प्रमुख सेवा दल अपने-अपने दिव्य घोष के साथ आगे चल रहे थे। प्रमुख पात्र बग्गियों में सवार थे। महिला केसरिया वस्त्र एवं पुरुष सफेद वस्त्रों के साथ सम्मिलित हुए। श्री जी की पालकी के साथ मुनि श्री निर्दोष सागर जी महाराज, मुनि श्री निर्लोभ सागर जी महाराज एवं मुनि श्री निरुपम सागर जी महाराज बिहाररत थे। गांधी चौक स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पर भगवान का मंगल अभिषेक, शांतिधारा के उपरांत मुनि राजों की मंगल देशना सुनने का अवसर धर्म प्रेमी बंधुओं को प्राप्त हुआ। मंदिर समिति द्वारा नगर में जैन समाज द्वारा संचालित जैन पाठशालाओं में निशुल्क अध्ययन कराने वाली बहनों का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के उपरांत आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज की संगीतमय पूजन की गई। आयोजन के उपरांत स्नेह भोज का आयोजन धूसरपूरा जैन मंदिर धर्मशाला में किया गया। नगर में प्रतिवर्षानुसार क्षमावाणी पर्व के उपरांत आने वाली छट तिथि पर सकल जैन समाज द्वारा भगवान की शोभा यात्रा का आयोजन किया जाता रहा है। विमानजी चल समारोह का आयोजन श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति गांधी चौक द्वारा किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

पन्ना में भव्य दीक्षा समारोह 2 अक्टूबर को साआनंद संपन्न

अभिषेक जैन, पन्ना। पन्ना जिले में आत्म शुद्धि का महान पर्व दशलक्षण पर्व बहुत आनंद एवं उत्साह के साथ मनाया गया। पन्ना के दोनों मंदिरों में सुबह श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा पूजन, पूज्य मुनि श्री विश्रुत सागर जी महाराज के प्रवचन, दोपहर में तत्वार्थ सूत्र पर प्रवचन एवं शाम को आरती, प्रवचन एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम सानंद संपन्न हुए। दशलक्षण पर्व के पूर्ण होने पर श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई एवं सामूहिक क्षमावाणी कर वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया।

परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज के प्रियाग्र शिष्य परम पूज्य मुनि श्री 108 विश्रुत सागर जी महाराज के कर कमलों द्वारा श्री श्रेय भैया जी कोटा राजस्थान की भव्य दीक्षा 2 अक्टूबर 2022 को रत्नगर्भा नगरी पन्ना नगर में साआनंद संपन्न हुआ। इस पुनीत कार्य में श्रावकों ने सम्मिलित होकर दीक्षा की अनुमोदना कर पुण्यलाभ अर्जन किया।

वार्षिक कलशाभिषेक का शेष भाग... मुनि श्री विनंद सागर जी महाराज ने कहा **"दिगम्बरत्व प्रदर्शन का नहीं आत्मदर्शन का प्रतीक है, यह वासना नहीं उपासना का प्रतीक है।"** उन्होंने कहा क्षमा विनम्रता का भाव वैसे ही उत्कृष्टता की ओर ले जाता है जैसे किसी पेड़ की डाली को नीचे की ओर झुकाकर छोड़ते हैं तो वह अपनी ऊंचाई से कहीं अधिक ऊपर तक जाती है, और घमंड की बिल्डिंग कितनी भी ऊँची क्यों ना हो वह 9 सेकंड में ढह जाती है। मुनिश्री विनुत सागर जी महाराज ने कहा क्षमा भाव को धारण करने से ऊंचाईयों तक पहुँच सकते हैं। उन्होंने कहा कलुषित आत्मा को पवित्र करने के लिए क्षमा भाव बहुत आवश्यक है जो पर्यूषण पर्व का पहला धर्म है यह इस भव और परभव में सुख देने वाला है। तत्पश्चात कलशाभिषेक शांतिधारा की क्रियाएं सम्पन्न की गयी। रात्रि में संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके शुभारम्भ में समीक्षा मोदी सीमा सिर्स और नीलू मोदी ने मंगलाचरण किया। चौधरी चक्रेश जैन के दिशा निर्देशन में पर्यूषण पर्व में आयोजित प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित कर प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। तत्पश्चात क्षमावाणी का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने गत वर्ष में की गयी गलतियों एवं भूलों के लिए एक दूसरे से क्षमा मांगी। दशलक्षण महापर्व पर श्री 1008 वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर की पावन धरा पर अजय जैन मोनू के संचालन में आयोजित प्रतियोगिताओं के अंतर्गत जूनियर वर्ग की भजन, फैंसी ड्रेस और भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर आन्या जैन विधि चैंपियन बनी। कार्यक्रम को सफल बनाने में सकल दिगम्बर जैन समाज का सहयोग रहा और सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे। संचालन अनिल जैन चौधरी ने किया। अंत में आभार व्यक्त प्रवीन जैन कड़ेसरा ने किया।

फिर उमड़ा जन सैलाब का शेष भाग... सम्माननीय पदाधिकारियों को मंच को शोभायमान करने के लिए आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ हेतु नन्हीं बालिकाएं अन्वी और दूर्वी ने नृत्यांजलि के द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया, जिसकी सभी ने करतल ध्वनि से सराहना की। इसके पश्चात प्रतिवर्ष की भांति पर्यूषण पर्व में तप साधना करने वाले श्रावकों का सम्मान किया गया। इनमें सतत रूप से दस, आठ और पांच उपवास करने वाले तप साधकों को समाज के मंचासीन ट्रस्टी और मुख्य अतिथियों द्वारा तिलक, माला और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

इसके पश्चात विद्यार्थियों का सम्मान समारोह था जिसमें कक्षा छठवीं से लेकर कक्षा बारहवीं तक के विशिष्ट और प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को सम्माननीय अतिथियों द्वारा पुरस्कृत और सम्मानित किया गया। बच्चों की उत्कृष्ट प्रतिभा का समूचे समाज ने करतल ध्वनियों से अभिनंदन किया। विदित हो कि समाज के प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं के सम्मान के लिए श्रीमती विजया-अजय जैन की ओर से दी गई धनराशि का एक फंड बनाया गया है जिसके आधार पर प्रतिवर्ष समाज के छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया जाता है।

इस वर्ष क्षमावाणी कार्यक्रम के विशेष आकर्षण के रूप में सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। प्रथम बार विजयनगर क्षेत्र के नन्हे बालक बालिकाओं द्वारा वैराग्य भावना से ओतप्रोत, मर्मस्पर्शी, यथार्थ पूरक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। इसमें 5 वर्ष से 10 वर्ष तक की आयु के नन्हे नन्हे बच्चों द्वारा संगीतमय अभिनय के द्वारा संसार की असारता को दर्शाया गया था। नन्हे-मुन्ने बच्चों के जीवंत अभिनय से उपस्थित जनसमूह भावुक हो उठा और प्रस्तुति समाप्त होने के काफी देर बाद तक पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। समाज के अनेक लोगों ने बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप धन राशि की घोषणा कर उन्हें पुरस्कृत किया। मंचासीन अतिथियों ने भी बच्चों को पुरस्कार दिए। इस सांस्कृतिक प्रस्तुति का संयोजन समाज की ही प्रतिभाशाली बहू श्रीमती निहारिका जैन और श्रीमती पल्लवी जैन ने किया था, जिनकी सभी ने भूरि भूरि सराहना की। मंच से उन्हें भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री सुधेश जैन और श्रीमती अनुपमा जैन ने किया।

कार्यक्रम के अगले चरण में 1008 श्री आदिनाथ मंदिर के निर्माण में महत्ती भूमिका निभाने वाले, कर्मठ और समर्पित व्यक्तित्व के धनी श्री बाहुबली जैन ने अपने सचिव उद्बोधन में गत वर्ष मंदिर व समाज में संपन्न हुए विविध कार्यक्रमों की तथा आगामी पंचकल्याणक और उससे संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंतिम चरण में श्रीजी का कलशाभिषेक चयनित इंद्रों के द्वारा किया गया। अभिषेक, शांति धारा और आरती के पश्चात सभी समाजजनों ने आपस में स्नेहपूर्वक क्षमा याचना की। क्षमावाणी के बाद सभी ने निशुल्क सुस्वादु भोजन का आनंद लिया।

विगत कई वर्षों से क्षमावाणी के कार्यक्रम में यह अनुभव किया गया है की समाजजन निर्धारित समय पर नहीं पधारकर काफी देर से आते हैं जिससे कार्यक्रम समय पर प्रारंभ नहीं हो पाता है और कार्यक्रम की रोचकता भी समाप्त हो जाती है। समाजजनों की सहभागिता बढ़ाने के लिए आगामी वर्षों में कुछ नई योजनाओं पर विचार किया जा रहा है जैसे कार्यक्रम में नगर के विभिन्न क्षेत्रों द्वारा रोचक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, भोजन के लिए सशुल्क पास और लकी ड्रॉ वितरित किए जाएंगे, ताकि समाजजन समय पर उपस्थित होकर सभी कार्यक्रमों में भाग लेकर आनंद ले सकें, न कि सिर्फ भोजन के समय पर ही उपस्थिति दर्ज कराकर समाज के प्रति अपने कर्तव्य की इतिश्री की भावना न रखें। आगामी पंचकल्याणक को मद्दे नजर रखते हुए अनेक गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी और समाज में महिला संगठन, बहू मंडल, युवा मंडल आदि का पुनर्गठन किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे - 9009066884

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक बधाईयाँ...

श्री मीना दयाचंद जैन,
पन्ना
32 उपवास

श्रीमती साधना निर्मल जैन,
ब्रजपुर
16 उपवास

श्रीमती रेखा अशोक जैन,
इन्दौर
11 उपवास

श्रीमती भावना शैलेष जैन,
अहमदाबाद
11 उपवास

श्रीमती अर्चना विशाल जैन,
झाँसी
11 उपवास

श्री अभय संतोष कुमार जैन,
अमहदाबाद
10 उपवास

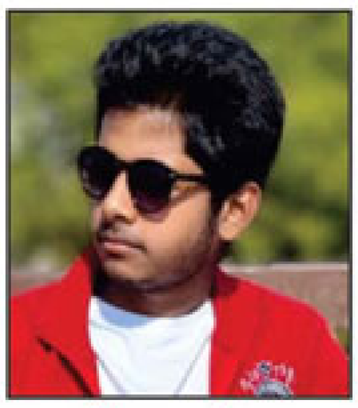

श्री आर्यन पवनकुमार जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

श्री संदीप अवनेश जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

श्री आदिश महेन्द्रकुमार जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

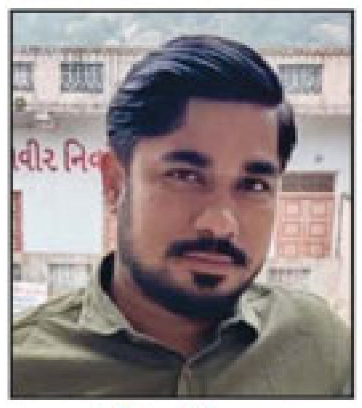

श्री सौरभ अशोककुमार जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

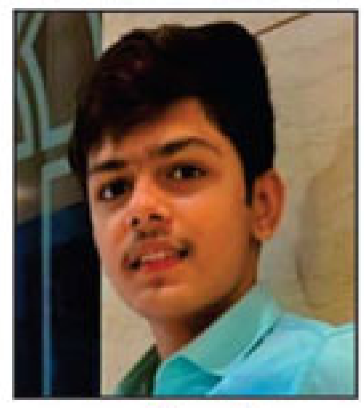

श्री हर्ष दिनेश जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

श्री हितिक जयकुमार जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

श्री शिवांग धर्मेन्द्र जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

कु. साक्षी संदीप जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

श्रीमती अंकिता संदीप जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

श्रीमती सपना अक्षय जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

कु. प्रांजल संजय जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

कु. प्रिया राजेन्द्र जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

श्रीमती रुचि आशीष जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

कु. खुशी दिनेश जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

कु. आस्था जयकुमार जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

श्री प्रियंक राजेश जैन,
मुंबई
10 उपवास

श्रीमती भूमिका प्रियंक जैन,
मुंबई
10 उपवास

श्रीमती नयना प्रतीक जैन,
मुंबई
10 उपवास

श्रीमती दिव्या हितेश जैन,
मुंबई
10 उपवास

श्रीमती मीना राजेश जैन,
इन्दौर
10 उपवास

कु. आशिता मुकेश जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

श्री विकास बिरधीचन्द्र जैन,
अमहदाबाद
10 उपवास

श्री आलोक कैलाशचंद जैन,
झाँसी
10 उपवास

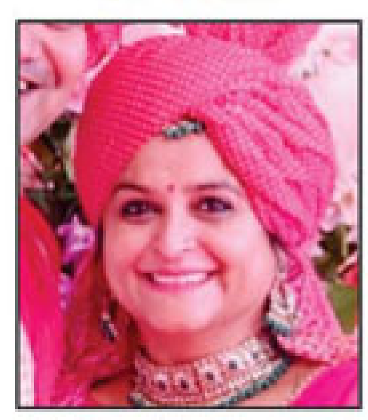

श्रीमती रंजना आलोकजैन,
झाँसी
10 उपवास

श्रीमती सरोज सुरेश जैन,
नागपुर
10 उपवास

श्रीमती अंकिता प्रमेश जैन,
अहमदाबाद
10 उपवास

श्रीमती ज्योति जैन,
पन्ना
10 उपवास

श्रीमती ममता जितेन्द्र जैन,
तालबेहट
10 उपवास

श्रीमती आभा वीरेन्द्र जैन,
तालबेहट
10 उपवास

श्री सौरभ जैन,
अकलतरा
10 उपवास

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक बधाईयाँ...

श्री हिर्देश अजय जैन,
टेहरका
10 उपवास

श्रीमती विनीता कपिल जैन,
मुरादाबाद
10 उपवास

श्री सौरभ सुकमाल जैन,
पूरा बिरधा
10 उपवास

श्रीमती सरिता अभय जैन,
बबीना
10 उपवास

श्रीमती सुषमा डी.के. जैन,
इन्दौर
10 उपवास

श्रीमती पदमा राजेन्द्र जैन,
इन्दौर
10 उपवास

श्री ऋषिकुमार जैन,
इन्दौर
10 उपवास

कु. आर्चिनी आनंद जैन,
इन्दौर
10 उपवास

श्री संयम जैन,
इन्दौर
10 उपवास

कु. काजल अजय जैन,
इन्दौर
10 उपवास

श्रीमती रेनू निशांत जैन,
इन्दौर
10 उपवास

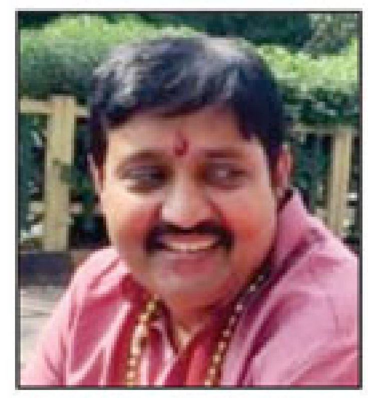
श्री प्रियंक रमेशचंद जैन,
इन्दौर
10 उपवास

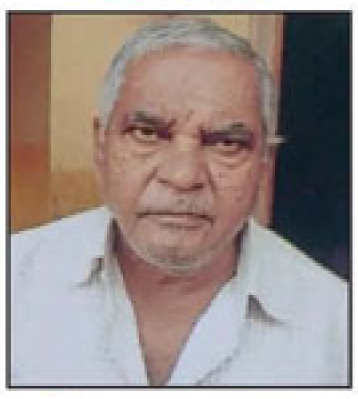
श्री मदनलाल जैन,
10 उपवास

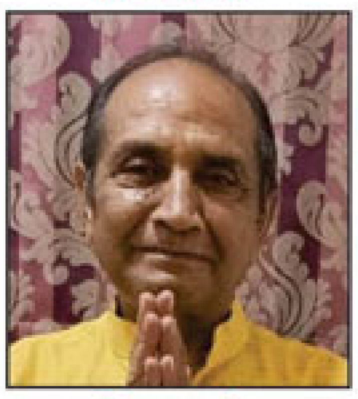
श्री अशोक रामदास जैन,
इन्दौर
10 उपवास

श्रीमती आशा अशोक जैन,
इन्दौर
10 उपवास

श्री सौरभ संतोषकुमार जैन,
इन्दौर
10 उपवास

श्रीमती प्रभा संतोष जैन,
करगुआं
10 उपवास

श्रीमती रजनी सुरेन्द्र जैन,
ललितपुर
10 उपवास

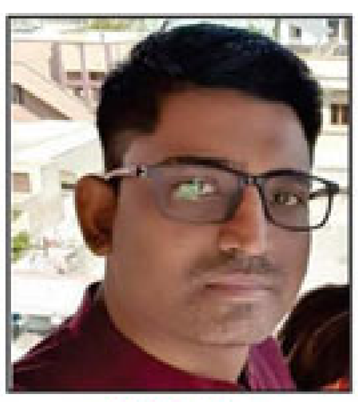
श्री हितेश जैन,
मुंबई
9 उपवास

कु. रिया मोदी,
9 उपवास

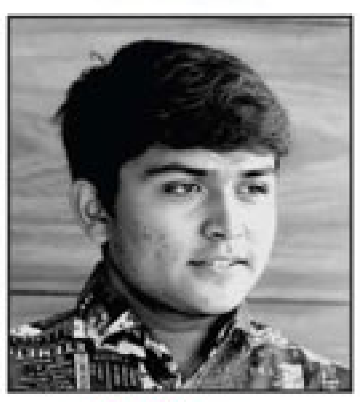
श्री रिधम सुधीर जैन,
अमहदाबाद
7 उपवास

श्रीमती उषा निर्मल जैन,
आष्टा
7 उपवास

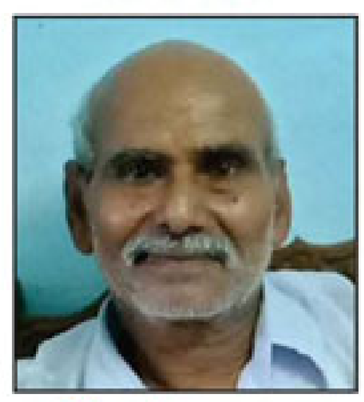
श्री शांतकुमार पूरनलाल जैन,
पन्ना
7 उपवास

श्रीमती पूनम अमित जैन,
पृथ्वीपुर
7 उपवास

कु. सौम्या प्रदीप जैन,
अमहदाबाद
6 उपवास

श्रीमती अंजलि आदेश जैन,
बबीना
5 उपवास

श्री निशांत जितेन्द्र जैन,
अहमदाबाद
5 उपवास

श्री सौम्य अमित जैन,
अहमदाबाद
5 उपवास

श्रीमती कल्पना प्रदीप जैन,
झाँसी
5 उपवास

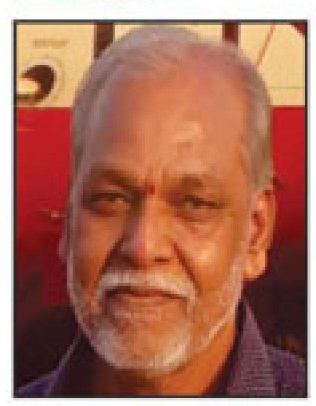
श्री ज्ञानसागर जैन,
इन्दौर
5 उपवास

श्रीमती रजनी संजय जैन,
इन्दौर
5 उपवास

श्रीमती सरोज संतोष जैन,
ललितपुर
5 उपवास

श्रीमती इन्द्रा जैन,
झाँसी
5 उपवास

श्री अनुभव जैन,
5 उपवास

प्रज्ञेश जैन, पन्ना
ज्योति–सुनील जैन
NEET - 22
99.97 Percentile

रिया जैन, कोटा
रानी–अरुण जैन
Maths - 12th
94%

आदित्य जैन, ललितपुर
रचना–संजय पवैया
10th
82%

तप साधना वालों के सचित्र जानकारी के लिए हमने ''गोलालारीय दर्शन'' के वाट्सएप्प ग्रुप पर भी निरंतर सूचना प्रेषित की, परन्तु उल्लेखनीय जानकारी हमें प्राप्त नहीं हुई। उपरोक्त जानकारी हमारे बुदेलखंड प्रभारी श्री राजेश जैन बीडी वालों, झांसी की सक्रियता का ही नतीजा है जिन्होंने 90% से अधिक सचित्र जानकारी एकत्रित कर हमें प्रोत्साहित किया है।

विभिन्न नगरों में क्षमावाणी पर्व हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न...

राजेश जैन, **झाँसी।** हृदय की कलुषता समाप्त करने का नाम क्षमा है। क्षमावाणी पर्व साधुओं के लिए नहीं बल्कि गृहस्थों के लिए है क्योंकि साधु तो रोज दोनों समय की सामायिक के पूर्व संसार के सभी प्राणियों से प्रतिक्रमण के माध्यम से क्षमा मांगते हैं। एक क्षमा ही है जिससे लौकिक एवं अध्यात्मिक सभी कार्यों की सिद्धि होती है एवं लक्ष्य की प्राप्ति होती है। परिवार व समाज में प्रत्येक सदस्य की अपनी अपनी सामर्थ होती है जब हम एक दूसरे को सम्मान देते हुए उनका योगदान लेते हैं तो परिवार व्यापार एवं समाज में अतिशय वृद्धि होती है। हमारे आचार्यों ने कहा है संगठन में ही शक्ति है इस भावना को जीवन में स्वीकार कर परिवार, समाज एवं देश में अपना योगदान करना चाहिए। अपराध बोध होने पर ही क्षमा भाव उत्पन्न होता है तब जाकर प्रायश्चित करने की दशा आती है यह देशना नगर में चातुर्मासरत पूज्य गणिनी आर्यिका रत्न विभाश्री माताजी ने एक धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन राजीव जैन सिर्स ने एवं गीतकार सौरभ जैन ने आध्यत्मिक भजन गाकर मंगलाचरण प्रस्तुत किया। क्षमावाणी पर्व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदीप जैन आदित्य पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार रहे। इस अवसर पर पंचायत अध्यक्ष अजित जैन, प्रकाशचंद जैन एडवोकेट, डॉ जिनेन्द्र जैन, अमित जैन, डॉ जयेश जैन, आलोक जैन विश्व परिवार, देवेंद्र जैन मगरपुर, जितेंद्र जैन, मनोज जैन भंडारी, संजय सिंघई, राजेन्द्र सिंघई, राजकुमार भंडारी, विनोद ठेकेदार, सुभाष जैन, रविन्द्र जैन रेलवे, ज्ञानचंद जैन, भामाशाह जैन, वीरेंद्र कुमार जैन, विशाल जैन, हुकुमचंद जैन, ब्रजेन्द्र जैन, बाहुबली जैन आदि उपस्थित रहे।

निवाड़ी में पर्यूषण पर्व के समापन पर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ विमान जी के साथ शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें सकल दिगम्बर जैन समाज के साथ मुख्य रुप से निवाड़ी विधायक अनिल जैन एवं हेमंतकुमार जैन, रोहन जैन, अनन्त जैन, सुभाष जैन, संजीव जैन, विवेक कुमार जैन, आनन्द जैन आदि उपस्थित रहे।

टेहरका में पर्यूषण पर्व के समापन पर क्षमावाणी पर्व धूमधाम से मनाया गया। जिसमें सकल जैन समाज के अलावा अजय कुमार जैन, देवेन्द्र कुमार जैन, विजय कुमार जैन, पुष्पेन्द्र कुमार जैन, दीपक जैन आदि उपस्थित रहे।

मगरपुर में पर्यूषण पर्व पर दस दिन का विधान सानंद सम्पन्न हुआ। इसके अगले दिन क्षमावाणी पर्व शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें सकल दिगम्बर जैन समाज के अलावा प्रमुख रूप से संतोष कुमार जैन, डॉ के. एल. जैन, जयकुमार जैन, आनन्द कुमार जैन, विवेक कुमार जैन, अंकुर जैन, श्रुत जैन, जिनेन्द्र कुमार जैन, अभिनन्दन कुमार जैन, अमित कुमार जैन, नेमीचंद जैन, आदीश जैन, सम्यक जैन आदि उपस्थित रहे।

पुष्पेन्द्र मोदी, **बाकल।** आर्यिकारत्न उपशांतमति माताजी ने कहा कि जब तक मन की कटुता दूर नहीं होगी तब तक क्षमावाणी पर्व मनाने का कोई अर्थ नहीं है, जैन धर्म समभाव क्षमा भाव भी सिखाता है रोजमर्रा की सारी कटुता कलुस्ता को भूल कर एक दूसरे से माफी मांगते हुए और माफ करते हुए क्षमा पर्व मनाना चाहिए। पर्यूषण पर्व समापन अवसर पर दस दिनों तक आराधना के महापर्व दसलक्षण की सभी समाज जनों ने आराधना की, धर्म ध्यान में समय बिताया। श्री जिनेन्द्र देव का धर्मयात्रा रथ नगर भ्रमण के लिए सत्य, अहिंसा के जयघोष के साथ हर्षोल्लास पूर्वक नगर के प्रमुख मार्गो से उपशांतमति माताजी ससंघ के सानिध्य में निकला शोभायात्रा मार्ग में जगह-जगह पर श्रीजी का पूजन व आरती की गई धर्म प्रभावना के रूप में यात्रा सानंद संपन्न हुई। मंदिर जी में श्रीजी का भव्य मस्तिकाभिषेक, शांतिधारा के कार्यक्रम हुए इस अवसर पर नगर के प्रमुख समाजजनों के साथ समाज के अनेक श्रावकों की सराहनीय उपस्थिति रही। सकल जैन समाज युवक मंडल, युवा मंडल, महिला मंडल, बालिका मंडल ने इस आयोजन में अपना महत्वपूर्ण व उल्लेखनीय सहभागिता निभाई।

अरविंद कुमार, **जबलपुर।** नगर के सभी जिनालयों में दसलक्षण पर्व सानंद संपन्न हुआ। जिनालयों में परंपरानुसार अभिषेक, शांति धारा पूजा, भक्ति व तत्वार्थ सूत्र का वाचन किया गया। संध्याकाल में संगीतमय आरती, भजन व नृत्य नाटिका और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन महिला मंडलों द्वारा आयोजित संपन्न हुए। नगर के श्री चंद्रप्रभु दि. जैन मंदिर संगम कॉलोनी में सांगानेर के पंडित श्री अरुण शास्त्री द्वारा रात्रि में प्रवचन का लाभ समाज जनों ने पूर्ण मनोयोग लिया। दसलक्षण पर्व के पावन अवसर पर तप साधना करने वालों श्रावकों का सम्मान किया गया। मंदिरों में सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजनों को संचालित करने वाले संगठनों का भी सम्मान किया गया तत्पश्चात क्षमावाणी पर्व के पुनीत अवसर पर समाजजनों ने एक दूसरे से क्षमा याचना की। इस अवसर पर जयकुमार जैन, अरविंद कुमार जैन, डॉ सुनील जैन, अश्विनी जैन, प्रदीप जैन, आलोक जैन गुड्डू एवं अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

गुदरी, झाँसी – श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर गुदरी में पर्यूषण पर्व के समापन पर वार्षिक कलशाभिषेक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आचार्य श्री विरागसागरजी की परम प्रभावी शिष्या पूज्य गणिनी आर्यिका रत्नविभाश्री माता जी ने अपने उदबोधन में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जिनालय के निर्माण एवं जीर्णोद्धार में अपने धन का सदुपयोग करना चाहिए। सामूहिक धार्मिक आयोजन समाज के हर वर्ग को एक दूसरे से जोड़ने का कार्य करते हैं तथा समाज में वात्सल्य एवं शांति स्थापित करते हैं। जो श्रावक आज उपवास व्रत आदि की तपस्या करते हैं वह भविष्य में साधु बनकर समतापूर्वक मरण कर स्वर्ग का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

इस अवसर पर जिन्होंने 10 दिन के उपवास किए उन्हें सर्वश्री सनत जैन ने सम्मानित किया। दीप प्रज्वलन श्रीमती प्रभा जैन, रविन्द्र मोदी, अरविन्द जैन एवं राजीव जैन सिर्स ने किया श्रीजी का अभिषेक रवि जैन कंधारी, राहुल जैन मांची, विनोद जैन ठेकेदार एवं विनोद नायक ने किया। शांति धारा के पुण्यार्जक अतुल जैन दिल्ली एवं विवेक नायक रहे। इस भव्य समारोह में हुकुमचंद जैन, महेंद्र जैन, धरणेन्द्र जैन, शिरोमणि जैन, अजय धमसिया, राजेन्द्र बड़जात्या, वीरेंद्र जैन बुड़पुरा, आलोक जैन, अशोक जैन, मनोज जैन, जितेंद्र जैन, अनिल जैन, सौरभ जैन, नीरज जैन आदि बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं धर्मावलंबी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन अंचल जैन एवं आभार सनत जैन ने द्वारा व्यक्त किया गया।

हार्दिक बधाईयाँ

दुनिया में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे आप हासिल नहीं कर सकते, बस कुछ अलग कर गुजरने का जुनून होना चाहिए। टाटा ए.आई.ए लाइफ इंश्योरेंस में लगातार चार वर्षों से इंश्योरेंस सेक्टर का अंतराष्ट्रीय ऑस्कर अवार्ड **MDRT** का खिताब अपने नाम करने वाले **गोलालारीय दर्शन के हमारे बुन्देलखण्ड प्रभारी राजेश जैन हैं**, पूर्व में भी कई पुरस्कार आपको प्राप्त हुए है। अभी हाल ही में थाईलैण्ड में आयोजित टाटा कॉन्क्लेव में उन्होंने सहभागिता की। इसी माह वे आस्ट्रेलिया में आयोजित टाटा कॉन्क्लेव में प्रतिभाग करेंगे जहां उन्हें **MDRT** अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। **गोलालारीय दर्शन परिवार** की ओर से बहुत बहुत बधाई।

सम्मेद शिखरजी में सिलवानी के युवाओं का सराहनीय कार्य – 22 सितम्बर को श्री सम्मेद शिखर पर्वत पर वंदना के दौरान सागर के एक महानुभाव का हृदयगति रुकने से देह परिवर्तन हो गया। पार्थिव शरीर को पर्वत से नीचे तक लाने हेतु डोली वालों ने 20-25 हजार की माँग की। सिलवानी मप्र के युवाओं ने इस संवेदनशील परिस्थिति को भांपते तत्काल निर्णय लेते हुए 10 युवाओं ने 5000 रु. में डोली लेकर स्वयं अपने कंधो पर डोली उठाकर पार्थिव शरीर को नीचे मधुबन लेकर आये एवं चिकित्सालय में आवश्यक कार्यवाही करवाने में परिजनों को महत्वपूर्ण सहयोग किया। सिलवानी के इन युवकों की टीम ने **'सेवा ही धर्म है'** इस उक्ति को चरितार्थ करते हुए अपनी सच्ची सेवा को प्रदर्शित किया इसकी जितनी सराहना की जाए सो कम है। पूज्य मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज ने ऐसे सभी युवकों की सक्रियता पूर्ण सेवा की सराहना करते हुए खूब आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि इस प्रकार की परिस्थितियों के निराकरण हेतु एक कार्ययोजना बनायी जावेगी। स्रोत –अनिल जैन बड़कुल, ए बी जैन न्यूज़ समूह

सादर आमंत्रण – इन्दौर के सुखलिया स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में 1 नवम्बर से 8 नवम्बर तक श्री 108 मंडल श्री श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है। इस जिनालय में भूतल की वेदीजी पर विराजमान श्रीजी का नवम्बर 21 में भव्य पंचकल्याणक साआनंद संपन्न हुआ था। पंचकल्याणक के प्रथम वर्ष के अवसर पर हम आपको सिद्धचक्र महामंडल विधान के लिए सादर आमंत्रित करते है। आपका आगमन सुखलिया समाज एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए गौरवशाली रहेगा।

आदिनाथ दि. जैन मंदिर कार्यकारिणी चुनाव सर्वानुमति से संपन्न...

गंजबासौदा के गांधी चौक स्थित श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के कार्यकारिणी चुनाव सर्वानुमति से संपन्न हुए। जिसमें अध्यक्ष श्री रमेशचंद भंडारी, महामंत्री श्री पवन जैन प्रेस व मंत्री श्री धर्मेन्द्र जैन को चयनित किया गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने मंदिरजी से जुड़े वरिष्ठ सदस्यों की संरक्षक कमेटी का गठन किया।

।। सादर श्रद्धांजली ।।

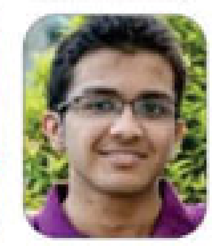

❋ **श्रीमती कमलादेवी जैन** स्व. श्री अमरचंद जैन का देवलोकगमन 6 अगस्त को बबीना में हो गया। ❋ श्री विजयकुमार जैन के बड़े सुपुत्र **श्री योगेश जैन** का देवलोकगमन 12 अगस्त को सम्मेदशिखर जी में हो गया था आप काफी धार्मिक स्वभाव के व्यक्ति थे। ❋ श्री गुलजारीलालजी के पुत्र **नवीनकुमारजी जैन** का देवलोकगमन 14 सितम्बर को देवेंद्रनगर में हो गया। ❋ श्री अजयकुमार जैन 'ललितपुर' के पौत्र एवं श्री राजीव जैन के सुपुत्र **श्री रोहन जैन** का देवलोकगमन 25 सितम्बर को हो गया उनकी स्मृति में परिजनों द्वारा इन्दौर समाज के कुमेडी स्थित नवीन जिनालय हेतु 11000 दान की घोषणा की हैं।

गोलालारीय दर्शन परिवार अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

फार्म जमा करने की अंतिम तिथि - 18 दिसम्बर 2022

''प्रयास'' रिश्तों को जोड़ने का

4 वर्षों से निरंतर आपकी सेवा में....

अखिल भारतीय जैन
विवाह योग्य युवक-युवती परिचय पत्रिका

नवीन फोटो की सॉफ्ट कॉपी एवं पूर्ण रुप से भरा गया फार्म 94069-34065 पर ही भेजें।

रजिस्टर्ड मोबाइल नं. (वाट्सएप्प) ________ अविवाहित ☐ विवाहित ☐

प्रत्याशी का विवरण

प्रत्याशी का नाम ________

शिक्षा (अंतिम) ________

वार्षिक आय रु. ________

व्यवसाय/सर्विस ________

चयन में प्राथमिकता (यदि हो तो) ________

वाट्सएप्प नंबर : ________

जन्मतिथि ☐☐☐

समय ________

रेलवे समयानुसार (0-24)

स्थान ________

ऊँचाई ☐

वजन ☐ किलो

वर्ण ☐☐☐ गोरा गेहुँआ साँवला

उपजाति - दिगम्बर/श्वेताम्बर ☐

गौत्र - स्वयं ☐

मामा - गौत्र ☐

बंधन - हाँ ☐ नहीं ☐

मंगली- हाँ ☐ नहीं ☐

(हाँ या नहीं पर ✓ करें)

भाई-बहन का विवरण

बहन (अंको में) ☐ ☐ विवाहित अविवाहित

भाई (अंको में) ☐ ☐ विवाहित अविवाहित

आवास

☐ ☐ स्वयं का किराये का

(टिक ✓ करें)

प्रत्याशी का पारिवारिक विवरण

पिता का नाम ________

माता का नाम ________

पता ________

________ पिनकोड ________

व्यवसाय ________ वार्षिक आय ________

फो./मो.: ________

नंबर : ________

सम्पर्क सूत्र

1 श्री ________ नगर ________

मो. ________

2 श्री ________ नगर ________

मो. ________

प्रविष्टि फार्म प्राप्त करने के लिए आप 9406934065 पर संदेश भेजे।

प्रविष्टि फार्म एवं बैंक में फंड ट्रांसफर भुगतान का स्क्रीन शॉट UTI /UPI No. सहित 9406934065 पर अनिवार्य रुप से भेजने पर स्वीकार किया जावेगा।

रजिस्ट्रेशन शुल्क पत्रिका सहित - 500/- (कोरियर खर्च सहित)

रजिस्ट्रेशन शुल्क बिना पत्रिका - 300/-

वचन पत्र

उपरोक्त आवेदन में समस्त जानकारी पूर्णत: सत्य है जिसके लिए मैं स्वयं उत्तरदायी हूँ तथा समस्त विवरण ''प्रयास'' रिश्तों को जोड़ने का परिचय पुस्तिका में प्रस्तुत कर रहा/रही हूँ।

पत्रिका प्रिंटिंग में त्रुटि रह जाने पर मैं समिति को उत्तरदायी नहीं ठहराऊंगा/ठहराऊंगी।

हस्ताक्षर प्रत्याशी/पालक/अभिभावक

पूर्ण नाम ....

फार्म डाक से भेजने का पता : श्री राजेन्द्र जैन, DKN-230, स्कीम नं. 74-सी, विजय नगर, इन्दौर - 452010

फार्म भरने की अंतिम तिथी 18 दिसम्बर 2022। पत्रिका जनवरी के प्रथम सप्ताह के पश्चात आपको भेजी जावेगी।

पत्रिका संपादक के नाम से प्रविष्टि पंजीयन शुल्क व विज्ञापन राशि जमा आप निम्न बैंक में फंड ट्रांसफर व पेटीएम के द्वारा भी कर सकते है -

हिन्दी में - राजेन्द्र जैन अंग्रेजी में - RAJENDRA JAIN

* बैंक का नाम - एचडीएफसी बैंक * खाता क्रमांक - 50100439222846
* IFSC code : HDFC0007244 * ब्रांच - स्कीम नं. 54, इन्दौर

आनलाईन प्रविष्टि फार्म भरने के लिए क्लिक करें - http://prayasvivah.in

Paytm नंबर 9424013136 पर आप प्रविष्टि शुल्क 500/- रु. का भुगतान कर प्रविष्टि फार्म 9406934065 नंबर पर भेज सकते है।

विज्ञापन शुल्क - फुल पेज (बायोडाटा मय विज्ञापन) - **5000** रु. * आधा पेज(बायोडाटा मय विज्ञापन) - **3000** रु.

आपके द्वारा प्रेषित विज्ञापन की राशि प्राप्त होने पर ही विज्ञापन प्रकाशित किया जावेगा।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे - मो.: **9424013136, 9425903301, 9009066884**

''पंथ भले हो अलग-अलग, जीवन साथी सिर्फ जैन हो''

बायोडाटा प्रविष्टि फार्म प्राप्त करने के लिए आपके नगर के जिनालय में प्रविष्टी फार्म उपलब्ध है।

यदि आपके नजदीकी मंदिरजी में बायोडाटा उपलब्ध नहीं है तो संपर्क करे - 9424013136

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, संपादक मंडल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स 127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौ से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित।